जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मामनुस्मर युद्ध्य च
जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

भारत सरकार पंजीयन नं. : 72322/91

शेखावाटी सन्मार्ग

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्गं मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रूद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरूद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक । वर्ष–32। अंक–16। लक्ष्मणगढ 01 जून 2023 । मूल्य (विशेषांक सहित) 100 रू. वार्षिक ।

हापास के मुकेश को भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में मिली सफलता

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । संघ लोक सेवा आयोग की ओर से सिविल सेवा परीक्षा 2022 के जारी फाइनल रिजल्ट में हापास निवासी मुकेश ढाका ने सफलता प्राप्त की है। ढाका को 755वीं रैंक हासिल की है। मुकेश ढाका ने जयपुर रहकर तैयारी कर चौथा अटेम्प्ट दिया था । इनके पिता चिमन सिंह ढाका शासन सचिवालय में जोइंट एलआर है ।

सूरत प्रवासी व लक्ष्मणगढ़ निवासी प्रभुदयाल काबरा ने ऑर्गन इंडिया संस्थान के माध्यम से किया अंगदान

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद् सूरत के अध्यक्ष प्रभुदयाल काबरा ने मरणोपरांत अपने शरीर के सभी अंगो यथा आंखे, कीडनी, लीवर, फेफड़े, हृदय का दान करने का पुनीत संकल्प लिया है। वाणिज्य स्नातक एवं मुंबई, सुरत व लक्ष्मणगढ़ में समाज सेवा से जुडे काबरा ने ऑर्गन इंडिया संस्थान के माध्यम से मृत्यु के पश्चात शरीर के सभी अंगो का दान किया है। उनके द्वारा किये गये अंगदान से कई व्यक्तियों को नया जीवन मिलेगा। इस प्रेरणादायक सुकृत्य के लिये विभिन्न संस्थाओं व प्रबुद्धजनों ने उन्हे साधुवाद ज्ञापित किया है।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हुए जनसंपर्क विभाग के पूर्व सहायक निदेशक राजकुमार पारीक

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन (प्रसार) का जनसंपर्क अलंकरण समारोह 30 मई मंगलवार को सूचना केन्द्र सभागार बीकानेर में आयोजित हुआ। इस दौरान जनसंपर्क विभाग के पूर्व सहायक निदेशक लक्ष्मणगढ़ के राजकुमार पारीक को स्व. घनश्याम गोस्वामी स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड और पूर्व संयुक्त निदेशक जयपुर के प्रभात गोस्वामी को स्व. किशन कुमार व्यास 'आजाद' स्मृति जनसंपर्क रत्न अवार्ड प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल थे। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क विभाग, राज्य सरकार का महत्वपूर्ण विभाग है। सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने में इस विभाग की प्रभावी भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि विभाग के दिवंगत अधिकारियों की स्मृति में सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान करना अच्छी परम्परा है। इससे युवा पीढ़ी को सीखने का मौका मिलेगा।

जिला कलक्टर ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में सूचना संप्रेषण के तरीकों में बदलाव आया है। जनसंपर्क विभाग ने भी इसे अपनाया है। आज ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर तक बने व्हाट्सऐप ग्रुप्स के माध्यम से सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो रहा है। उन्होंने सम्मानित हुए दोनों पूर्व अधिकारियों को शुभकामनाएं दी और उनके अनुभवों से युवा पीढ़ी को लाभांवित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार अशोक माथुर ने हिंदी पत्रकारिता के बदलते आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 30 मई 1826 को प्रकाशित हुए हिंदी के पहले अखबार 'उदंत मार्तंड' से लेकर आज तक हिंदी पत्रकारिता ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने देश के स्वाधीनता संग्राम में पत्रकारिता के योगदान पर भी विचार रखे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र जोशी ने कहा कि स्व. घनश्याम गोस्वामी एवं स्व. किशन कुमार व्यास आजाद ने जनसंपर्क के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए।

जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक दिनेश चंद्र सक्सेना ने योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विभाग के बदलते आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दिवंगत अधिकारियों के नाम से पुरस्कार देकर प्रसार की बीकानेर इकाई ने अच्छी शुरूआत की है।

प्रसार के उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय) हरि शंकर आचार्य ने बताया कि इन पुरस्कारों की शुरूआत वर्ष 2019 में की गई। राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर 21 अप्रैल को प्रतिवर्ष यह पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस बार अपरिहार्य कारणों से यह आयोजन नहीं हो सका।इस दौरान राजकुमार पारीक और प्रभात गोस्वामी का सम्मान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सचिव शरद केवलिया और प्रो. असित गोस्वामी ने किया। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया।इस अवसर पर अशोक गोस्वामी, एड. बसंत आचार्य, विमल शर्मा, बाल कल्याण समिति के सदस्य जुगल किशोर व्यास, बीकानेर प्रेस क्लब के अध्यक्ष भवानी जोशी, जार के जिलाध्यक्ष श्याम मारू, डॉ. अरविंद आचार्य, रतन सिंह सहित जनसंपर्क विभाग के कार्मिक और आमजन मौजूद रहे।

सम्पादकीय

" सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् "

सुगम साधन

प्रह्लाद जी असुर- बालकों को उपदेश देते हुए कहते हैं कि भगवान् की प्राप्ति में क्या प्रयास है-'कोऽति- प्रयासोऽसुरबालकाः' (श्रीमद्भागवत ७।७।३८) ? विषयों की एक बात ध्यान देने की है कि संसार की वस्तुएँ सब देश में सब समय में नहीं हैं। उनकी प्राप्ति के लिये विशेष परिश्रम करना पड़ता है। परंतु परमात्मा सब देश में हैं, सब काल में हैं, सम्पूर्ण व्यक्तियों में हैं, सम्पूर्ण घटनाओं में हैं। ऐसा कोई देश, काल, व्यक्ति, वस्तु नहीं है, जहाँ परमात्मा न हों। उनकी प्राप्ति में तो केवल तीव्र इच्छा की ही आवश्यकता है। जैसे हमारे पास कोई चीज हो तो उस तरफ दृष्टि घुमायी और देखी ! परंतु परमात्मा को देखने के लिये दृष्टि घुमाने की भी आवश्यकता नहीं है; क्योंकि परमात्मा बाहर-भीतर सब जगह हैं । इसलिये उनकी प्राप्ति की इच्छा करो और उनको प्राप्त कर लो !

परमात्मा की प्राप्ति में प्रयास की आवश्यकता नहीं है। इसमें तो केवल अभिलाषा की आवश्यकता है। वह अभिलाषा भी कठिन नहीं है। वास्तव में वह अभिलाषा मनुष्य मात्र में स्वतः- स्वाभाविक है; क्योंकि मनुष्य मात्र अपने में कमी का अनुभव करता है। परंतु उससे भूल यह होती है कि वह इसकी पूर्ति संसार से करना चाहता है । संसार की सब वस्तुएँ सभी को प्राप्त होती नहीं, हुई नहीं और होंगी भी नहीं तथा मिल भी गयीं तो रहेंगी नहीं। वस्तुएँ रह भी गयीं तो आप नहीं रहेंगे। उनसे वियोग तो अवश्य होगा। पहले भी वियोग था और बाद में भी वियोग होगा। बीच में संयोग केवल दीखता है, वास्तव में है नहीं। फिर भी हम उन वस्तुओं से अपना सम्बन्ध मान लेते हैं और उनकी इच्छा करते हैं, यह बहुत बड़ी भूल है।

आपने शरीर के साथ एकता मान ली कि यह शरीर मैं हूँ और शरीर मेरा है, यह है खास गलती! आप शरीर नहीं हैं; क्योंकि यदि आप शरीर होते तो मरते ही नहीं और यदि मरते तो शरीर को साथ ले जाते। मरने के बाद शरीर (मुर्दा) पड़ा रहता है तो उसमें भी हम होते। परंतु न तो शरीर हमारे साथ जाता है और न शरीर के साथ हम रहते हैं। अत: अपने को शरीर मानना भी गलत है। और शरीर को अपना मानना भी गलत है। शरीर को हम जैसा रखना चाहें, वैसा रख नहीं सकते, इस पर हमारा वश नहीं चलता, फिर यह अपना कैसे ? यदि शरीर अपना नहीं है तो फिर धन, सम्पत्ति, वैभव, कुटुम्ब आदि अपने कैसे ? अतः संसार अपना नहीं है, अपने तो केवल भगवान् ही हैं - यह मानने में क्या कठिनता है ? संसार को अपना माननेसे ही जो वास्तवमें अपने हैं, उन परमात्माको अपना मानने में कठिनता हो रही है ।

परमात्मा अपने हैं— - यह शास्त्र कहता है, और संसार अपना नहीं है— यह आपका अनुभव कहता है । यह बात भले ही आप अभी न मान सको, भले ही आपसे मानी नहीं जा रही हो; परंतु हिम्मत मत हारो । यह मत सोचो कि हम तो इस बात को मान नहीं सकते। भले ही हमारे मानने में न आ रही हो, पर वास्तव में 'मैं शरीर हूँ, शरीर मेरा है' यह बात है नहीं - इस बात को स्थिर रखो। आपके मानने में आये चाहे न आये, अनुभव हो चाहे न हो— इसकी चिन्ता मत करो; परंतु इस बातको रद्दी मत करो ।

शरीर 'मैं' नहीं है और 'मेरा' नहीं है - यह बात सच्ची है एवं मैं भगवान् का हूँ और भगवान् मेरा है- यह बात भी सच्ची है। सच्ची होने पर भी मानने में नहीं आती तो यह हमारी एक कमजोरी है। हमारे न मानने से सच्ची बात रद्दी (गलत) कैसे हो सकती है ?

श्रोता - हम इस बात को रद्दी कैसे करते हैं ? स्वामी जी – इन्द्रियों के द्वारा, बुद्धि के द्वारा हम जिन वस्तुओं को देखते हैं, उनको सच्ची और अपनी मान लेते हैं, इससे वह बात रद्दी हो जाती है। उन वस्तुओं में अपनेपन का त्याग नहीं होता तो कोई बात नहीं; परंतु 'शरीर - संसार मेरे नहीं हैं' यही बात सच्ची है - इतना आदर तो आपको करना ही चाहिये ! भगवान् न दीखें तो न सही, पर 'भगवान् हमारे हैं, हम भगवान् के हैं'- यह बात सच्ची है। ब्रह्माजी भी इस विषय में कह दें कि 'देखो, तुम संसार के हो और संसार तुम्हारा है, तुम भ गवान् के नहीं हो और भगवान् तुम्हारे नहीं हैं', तो भी साफ कह दो कि 'महाराज! आपकी यह बात हम नहीं मानेंगे।' भले ही यह बात हमारे अनुभव में न आयी हो, हमें पूरी न जँची हो; परंतु बात यह सच्ची है! भगवान् स्वयं कहते हैं- 'ममैवांशो जीवलोके' (गीता १५ । ७) 'यह जीव मेरा ही अंश है।' सन्त महात्मा भी यही कहते हैं- 'ईश्वर अंस जीव अबिनासी' (रा०च०मा० ७ । ११७ । २) । इसलिये मैं हाथ जोड़कर आपसे प्रार्थना करता हूँ, मेरे पर आप इतनी कृपा करो कि आप मेरी बात आज मान लो । मानने से भले ही आपमें कोई परिवर्तन न आये, पहले की तरह ही भूख - प्यास लगे, वैसे ही राग - द्वेष हों, पर कृपा करके इस बात को रद्दी मत करो। हम तो भगवान् के ही हैं - ऐसा मान लो, फिर अनुभव हो अथवा न हो, बोध हो अथवा न हो, इसकी परवाह मत करो । अन्त में यह बात स्थिर हो जायगी; क्योंकि यह बात सच्ची है।

बिलकुल सच्ची बात है कि 'मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई'। इसे मानने में क्या जोर आता है? मानना तो आपको आता ही है; जैसे - आप किसी को अपना मित्र, गुरु आदि मान लेते हैं। इसी प्रकार न मानना भी आपको आता है; जैसे - पहले आप अपने को कुँआरा मानते थे, पर विवाह हो जाने पर अपने को कुँआरा न मानकर विवाहित मानने लग जाते हैं। यदि आप गृहस्थ छोड़कर साधु बन जाते हैं तो घर, परिवार को अपना मानना छोड़ देते हैं और गुरु महाराज को अपना मान लेते हैं। इसलिये मानना और न मानना - दोनों आपको आते हैं। मानने और न मानने की विद्या सभी को आती है। अब इस विद्या को केवल भगवान् में लगाना है, संसार में नहीं। हमारेसे गलती यह होती है कि सुनते समय तो मान लेते हैं, पर फिर उसे उड़ा देते हैं और जो बात सच्ची नहीं है, उसे सच्ची मानने लग जाते हैं। एक और गलती की बात यह है कि भाई - बहन कहते हैं कि इस बात को हम भूल जाते हैं । वास्तव में यदि आपने इस बात को दृढ़ता से मान लिया है, तो फिर भले ही यह याद न रहे। बिना याद किये भी यह स्वतः याद रहेगी। कैसे याद रहेगी? जैसे अभी आप मानते हैं कि हम वृन्दावन में हैं, तो किसी भाई बहन ने 'मैं वृन्दावन में हूँ' - इसकी एक भी माला फेरी है क्या ? एक बार आपने इसे मान लिया, फिर इसे बार - बार याद रखते हो क्या ? इसमें सन्देह होता है क्या ? जब कभी कोई पूछे तो तुरन्त कह देते हो कि हम तो वृन्दावन में हैं। इस तरह बिना याद किये भी आपके भीतर बात रहती है। इसकी भूल तो तब मानी जायगी, जब आप यह मानने लग जायँ कि मैं तो हरिद्वार में हूँ । अतः याद न रहने को मैं भूल नहीं मानता हूँ। 'मै भगवान् का हूँ'- - यह याद न रहे तो यह भूल नहीं है; परंतु 'मैं भगवान् का नहीं हूँ, मैं तो संसार का हूँ' - यह मान लेना भूल है ।

एक बार सच्चे हृदय से अपने को भगवान् का मान लेनेके बाद फिर चाहे बिलकुल याद मत रखो। अब तो याद रखना है भगवान् का नाम। भगवान् के नाम का जप करो, स्मरण करो, कीर्तन करो, उनकी लीलाओं का ध्यान करो, उनके स्वरूप का चिन्तन करो - ये बातें करने की हैं। भगवान् को तो एक बार अपना मानकर छोड़ दो। हम भगवान् के हैं - इसमें सन्देह मत करो, चाहे हमारे मानने में आये या नहीं आये, उसका अनुभव हो चाहे नहीं हो, कोई परवाह नहीं ।

बहुत - से लोग कह देते हैं कि तुम्हारे जीवन में क्या फर्क पड़ा ? फर्क चाहे कुछ न पड़े। न नापमें, न तौल में, न रंग में, न ढंग में, कुछ फर्क न पड़े तो कोई बात नहीं। परंतु 'हम तो मान नहीं सकते, हमें तो याद नहीं रहता, हम तो योग्य नहीं हैं, हम तो अधिकारी नहीं हैं, हम तो पात्र नहीं हैं, हमें तो गुरु नहीं मिले, हमें तो सन्त नहीं मिले; समय ठीक नहीं है, कलियुग का समय है, वायुमण्डल ठीक नहीं है, संग अच्छा नहीं है'- इन बातों को लेकर इस बात को रद्दी करते रहोगे तो सिद्धि नहीं होगी | परंतु इस बात को रद्दी नहीं करोगे तो सिद्धि हो ही जाएगी | यह सिद्धि कुछ दिनों में भी हो सकती है, महीनों में भी हो सकती है, वर्ष भी लग सकते हैं | संसार का सुख लेते रहोगे तो बहुत समय लगेगा, पर अंत में सिद्धि होकर रहेगी | (स्वामी श्री रामसुखदास जी महाराज)

शशिकान्त जोशी
सम्पादक

निर्जला एकादशी पर खाटू में मेला हुआ प्रारम्भ

खाटूश्यामजी (निजसंवाददाता) | कस्बे में शुक्ल पक्ष की एकादशी व द्वादशी को बाबा श्याम का दो दिवसीय मासिक मेला बुधवार से प्रारम्भ हुआ | इस बार निर्जला एकादशी होने के कारण श्रद्धालुओं की तादाद ज्यादा रही | इसे लेकर प्रशासन उपखण्ड अधिकारी राकेश कुमार ने बैठक लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की | गर्मी के मौसम को देखते हुए श्री श्याम मंदिर कमेटी ने ठंडे पानी, छाया, कूलर व पंखों की व्यवस्था की | सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाधिकारी सुभाष यादव के नेतृत्व में 800 पुलिसकर्मी, होमगार्ड व सुरक्षा गार्ड्स लगाए गए |

भीड़ बढ़ने के कारण मंगलवार को सम्पूर्ण रात्रि बाबा श्याम के मंदिर के पट खुले रहे | श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि मंदिर कमेटी के द्वारा श्याम भक्तों के लिए सुगमतापूर्ण दर्शन की व्यवस्था की गई |

कक्षा 12वीं में राजस्थान टॉपर
विदुषी शेखावत का किया सम्मान

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कला वर्ग में प्रदेश में टॉप करने वाली छात्रा विदुषी शेखावत का पैतृक गांव दूजोद पहुंचकर भाजपा युवा नेता जितेंद्र सिंह कारंगा व विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव परमेश्वर शर्मा ने अभिनंदन किया तथा बधाई देते हुए परिवार के साथ खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर कारंगा व शर्मा ने दूजोद स्थित छात्रा के घर पहुंचे तथा छात्रा को सालासर बालाजी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया व बालाजी का प्रसाद देकर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर छात्रा के परिजनों को सालासर बालाजी का प्रसाद दिया तथा खुशी का इजहार किया।

आदर्श विद्या मंदिर में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में 21 मई को बारहवीं बोर्ड परीक्षा 2023 के शानदार परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी नरोत्तम व्यास एवं शिलांग प्रवासी अभिभावक राकेश दाधीच मंचस्थ अतिथि थे।

विद्यालय में वाणिज्य संकाय में आर्यन पारीक ने 93प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया । जबकि पायल वर्मा ने 86.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करके दूसरा एवं चेल्सी शर्मा ने 84.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह विज्ञान संकाय में अभिषेक गुरड़ा एवं मयंक कुमावत दोनों ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम; गुंजन सैनी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करके दूसरा एवं श्रुति सिखवाल ने 89.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी का माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर के अतिथियों एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में समिति के मुरारी लाल महर्षि, पुरुषोत्तम मिश्र, पुरुषोत्तम बील, अरूण सेन, सुरेंद्र इंदोरिया, सुरेश बीबीपुरिया, बालिका विद्यालय के प्रधानाचार्य विद्याधर शर्मा, सहायक प्रधानाचार्या श्रीमती मधुबाला शर्मा, स्टेशन रोड विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार शर्मा, प्राथमिक विभाग के प्रधानाचार्य अशोक पारीक उपस्थित रहे। अतिथियों का परिचय ,स्वागत एवं परीक्षा परिणाम की घोषणा प्रधानाचार्य अशोक कुमार पारीक ने की । जबकि मुरारी लाल मिश्र, योगेंद्र शर्मा, अनूप मिश्रा, राम राज यादव, श्रीमती मोनिका शर्मा, एवं श्रीमती मधुबाला शर्मा ने विधार्थियों को माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सूरजभान सिंह बीजला ने किया।

लक्ष्मणगढ़ की लाड़ो बनी चिकित्सक

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । 17 मई को जाने माने उद्योगपति कोलकाता प्रवासी फदनपुरा निवासी प्यारेलाल सैनी की होनहार व प्रतिभावान पुत्री रीतू सैनी कर्नाटक की प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज कोलार (कर्नाटक) से चिकत्सक की डिग्री हासिल कर लक्षमनगढ सैनी समाज की दूसरी महिला चिकित्सक बनने का गौरव हासिल किया है।

डॉ. रीतू ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा कोलकाता में हासिल करते हुए सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय परीक्षा उच्चतम अंकों से उत्तीर्ण कर मेडिकल की तैयारी भी कोलकाता में की है। जबकि चिकित्सक की पढ़ाई के लिए। कर्नाटक की उक्त मेडिकल कॉलेज में चयन हुआ जहां से चिकित्सक की डिग्री हासिल कर डाक्टर बनी है । चिकित्सक बनी डॉ. रीतू की शानदार सफलता व चिकित्सक बनने पर सैनी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के राष्ट्रीय संयोजक बाबूलाल सैनी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

खेल गुरु सांवरमल पुजारी का नागरिकों द्वारा किया गया अभिनन्दन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता)। खेल जगत् में अपनी अलग व अमिट छाप छोड़ने वाले व राष्ट्रीय खिलाड़ियों की फौज तैयार करने वाले लक्ष्मणगढ़ के द्रोणाचार्य के नाम से जानें जाने वाले खेल गुरु सांवरमल पुजारी का सेवानिवृत्ति के डेढ़ दशक बाद खिलाड़ियों ने नागरिक अभिनंदन कर 1 लाख 51 हजार रूपए का चैक भेंट किया । अपनों व खिलाड़ियों के बीच थावरा भाई जी के नाम से मशहूर सांवरमल पुजारी का रविवार को शाही रथ पर संत सानिध्य के साथ बैंड-बाजे से जुलूस निकाला तथा देव दर्शन कराए | इसके पश्चात् पुजारी भवन में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में शारदा सदन पुस्तकालय एवं गौड़ ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष आचार्य नटवरलाल जोशी द्वारा माल्यार्पण कर शुभकामनाओं के साथ प्रशस्ति पत्र भेंट किया | कार्यक्रम में काफी संख्या में प्रबुद्धजन एवं नागरिक उपस्थित थे |

भारतीय स्कूल के चमके सितारे
राजस्थान बोर्ड 12वीं आर्ट्स (हिंदी माध्यम) का रिजल्ट रहा बेहतर

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा घोषित कक्षा 12वीं आर्ट्स रिजल्ट में भी लक्ष्मणगढ़ स्थित भारतीय स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार अंक हासिल किये हैं। भारतीय की निकिता ने 97 प्रतिशत, पूजा शर्मा ने 96 प्रतिशत, रविन्द्र ने 95 प्रतिशत, अंजली ने 94 प्रतिशत, मनीषा कुमारी ने 93 प्रतिशत, अनुज खीचड़ ने 93 प्रतिशत, कृष्णा शर्मा ने 93 प्रतिशत, सुमन कंवर ने 93 प्रतिशत, निकिता ने 92 प्रतिशत, मूलचंद कुमावत ने 92 प्रतिशत, मनीषा ने 91 प्रतिशत एवं मोनिका ने 91 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं। भारतीय स्कूल के 03 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक एवं 15 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक, रिकॉर्ड 35 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक एवम रिकॉर्ड 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की हैं। ज्ञात रहे। की भारतीय में आरबीएसई में आर्ट्स सिर्फ हिन्दी माध्यम में ही संचालित है। विद्यार्थियों की उत्कृष्ट सफलता पर स्कूल में उत्साह का माहौल रहा। निदेशक रामस्वरूप महला, सचिव कविता महला , प्रबंधक धर्मेंद्र थालोर, प्रशासक मनोज रुलानिया, व्याख्याता राजेश जांगिड, व्याख्याता सुरेश सारण, व्याख्याता देवकीनन्दन सैनी, व्याख्याता अनिता चौधरी, ओमप्रकाश लुनीवाल, निखिल ढाका आदि ने उत्कृष्ट रिजल्ट पर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बधाइयां दी।

अशोक ने दौड़ में बनाया नेशनल रिकोर्ड

गणेश्वर (निजसंवाददाता) | हिमाचल प्रदेश में हुई दौड़ प्रतियोगिता में गणेश्वर के अशोक सिंह ने गोल्ड मेडल हासिल किया | अशोक सिंह ने 12 घंटे में 137 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर एक निशनल रिकोर्ड बनाया है | इससे पहले यह रिकार्ड धनंजय शर्मा के नाम रहा जिन्होंने 12 घंटे में 135 किलोमीटर की दौड़ लगाईं थी | 23 एफएडी बटालियन गढ़वाल राइफल में अशोक सिंह अपनी सेवाएं दे रहे हैं | हिमाचल के नेशनल स्टेडियम में प्रतियोगिता हुई थी | प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय कोच रवीन्द्र सिंह ने किया था | अब अशोक सिंह अन्य दौड़ प्रतियोगिता की तैयारियां कर रहे हैं | गौरतलब है कि दौड़ में अशोक सिंह कई बार गोल्ड, कांस्य पदक भी जीत चुके हैं |

तम्बाकू

ऋषिकुल स्कूल की निधि वर्मा रही 12 वीं वाणिज्य संकाय में तहसील में प्रथम

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की और से जारी किए गए कक्षा 12 वाणिज्य, विज्ञान एवं 8 वीं के परीक्षा परिणाम में ऋषिकुल स्कूल ने सफलता का परचम लहराया है | संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने बताया कि विद्यालय की छात्रा निधि वर्मा पुत्री शंकरलाल वर्मा ने कक्षा 12वीं में 94 प्रतिशत अंक हासिल कर तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया | उन्होंने बताया कि विद्यालय का वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा | कक्षा 8 में ए ग्रेड हासिल करने वाले व 12वीं विज्ञान व वाणिज्य वर्ग में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर साफा पहनाकर सम्मानित किया |

धूमधाम से मनाया महेश नवमी पर्व

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । माहेश्वरी समाज की ओर से सोमवार को महेश नवमी पर्व श्रद्धा से मनाया गया। स्थानीय माहेश्वरी भवन में समाज के. संरक्षक रामस्वरूप सोमानी, अध्यक्ष अनिल सोमानी, मंत्री प्रेम प्रकाश सोमानी, कोषाध्यक्ष विष्णुकांत भामाशाह दिनेश सोमानी, डॉ प्रकाश मूंदड़ा, व्यवसायी विष्णु काबरा, भगवती प्रसाद काबरा व सुशील चितलांगिया आदि के सानिध्य में महेश की सामूहिक पूजा व महाआरती हुई। नवमी पर्व पर सेवा कार्यों की कड़ी में समाज की ओर से मुख्य बाजार में राहगीरों को आइसक्रीम मिक्स मिल्करोज पिलाया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के महिला पुरुषों के अलावा अग्रवाल समाज के पवन गोयनका, व्यवसायी मोतीलाल खाटूवाला, भाजपा नेता जयप्रकाश सरावगी व नागरिक परिषद के सचिव निशांत गोयनका, वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष संदीप बजाज, जयशंकर जोशी सहित अन्य मौजूद रहे।

शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति के साथ संगीत गुरु को दी श्रद्धांजलि

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | संगीत गुरु वेणीप्रसाद खरादी की पुण्यतिथि कस्बे के भैरव भवानी चौक में मनाई गई। इस दौरान प्रदेशभर से आए गायकों व संगीतकारों ने शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजन से जुड़े कुशल खरादी ने बताया कि संगीत संध्या में जोबनेर की शास्त्रीय गायिका लक्ष्मी राणा ने राग यमन, दुर्गा, जोग, मिश्र खमाज व राग आधारित गीत प्रस्तुत किए, जिन्हें सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए। इसी क्रम में मीठड़ी के भादी पीठाधीश्वर रेवती रमण महाराज ने राग जोग व राग अहीर भैरव, उपेंद्र मिश्रा ने राग दरबारी, जयकांत खरादी ने राग मालकौंस व सोहिनी पर आधारित सरस गीतों की प्रस्तुतियां दी। गायकों के साथ भंवर खां व रोजरी ने हारमोनियम पर जबकि मास्टर अनिरुद्ध मिश्रा व मोहम्मद सकील ने तबले पर संगत दी। आरंभ में खरादी संगीत घराने के ललित खरादी, गिरधारी खरादी, रामधन, रमेश तथा कुशल ने कलाकारों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्युत निगम के सहायक अभियंता गणनाथ मिश्र, अर्जुन अवार्डी सुरेश मिश्रा, रामगोपाल पारीक, सांवरमल जांगिड़, शशि जोशी, आशुतोष जोशी, सुनील शर्मा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

महंत महावीर जति महाराज द्वारा किया गया मुक्तिधाम में विश्राम स्थल का लोकार्पण

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । भूतनाथ मुक्तिधाम में अहमदाबाद प्रवासी विमल कुमार रचना देवी बजाज द्वारा अपने पिताश्री स्व. विश्वनाथ बजाज एवं माताश्री स्व. श्रीमती सावित्री देवी बजाज की स्मृति में निर्मित बाबा विश्वनाथ विश्राम स्थल का लोकार्पण शिव मठ धाम गाड़ोंदा आश्रम के महंत महावीर जति महाराज ने फ़ीता काटकर विधिवत लोकार्पण किया |

तम्बाकू निषेध दिवस पर निकाली रैली दिया संदेश

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर मंगलवार को उपखंड में जागरूकता के लिए विविध कार्यक्रम हुए। मुख्य आयोजन स्थानीय ब्लॉक सीएमओ कार्यालय में हुआ। इसमें बीसीएमओ डॉ. शीशराम चौधरी ने शहरी आशा सहयोगिनी एवं ब्लॉक स्टाफ को तंबाकू से होने वाले नुकसानों के बारे में बताते हुए तंबाकू उत्पादों का पूरी तरह बहिष्कार करने की शपथ दिलाई। बीसीएमओ ने तंबाकू निषेध जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बीपीएम विकास तूनवाल, योगेश सैनी, रामचंद्र ढाका, लक्ष्मण सिंह, विमला, प्रवीण शर्मा एवं नत्थू संह आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार ग्रामीण अंचल के विभिन्न सीएचसी, पीएचसी पर भी जागरूकता कार्यक्रम हुए।

शनि भगवान् की मनाई जयंती

दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । कस्बे के पोस्ट ऑफिस रोड़ स्थित शनि मंदिर में दो दिवसीय धार्मिक आयोजन हुए। हर्षोल्लास से शनि भगवान् की जयंती मनाई गई । इस दौरान गुरुवार रात्रि में विशाल भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें मेघराज लुहार एंड पार्टी व स्थानीय कलाकारों द्वारा भजनों कि प्रस्तुतियां दी और केक काटकर शनि भगवान् का जन्मोत्सव मनाया । इसके बाद आज सुबह शनि भगवान् को तेल का अभिषेक किया और प्रसाद का वितरण किया गया । इस अवसर पर मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की लम्बी कतार लगी रही । इस दौरान भंवरलाल भार्गव, मनोज कुमार, दुलीचंद, लीलाधर, मंगलचंद, नरसीराम, मोहित भार्गव, आकाश, अक्षय भार्गव सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

ऋषिकुल स्कूल की निधि वर्मा रही 12 वीं वाणिज्य संकाय में तहसील में प्रथम

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की और से जारी किए गए कक्षा 12 वाणिज्य, विज्ञान एवं 8 वीं के परीक्षा परिणाम में ऋषिकुल स्कूल ने सफलता का परचम लहराया है | संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने बताया कि विद्यालय की छात्रा निधि वर्मा पुत्री शंकरलाल वर्मा ने कक्षा 12वीं में 94 प्रतिशत अंक हासिल कर तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया | उन्होंने बताया कि विद्यालय का वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा | कक्षा 8 में ए ग्रेड हासिल करने वाले व 12वीं विज्ञान व वाणिज्य वर्ग में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर साफा पहनाकर सम्मानित किया |

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक समारोह का हुआ आयोजन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) । आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में 15 मई को वार्षिक समारोह शिव मठ धाम गाडोदा आश्रम के महंत महावीर जती महाराज की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक आयोजित हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी मांगीलाल दाधीच जबकि शिक्षा प्रसार समिति सीकर के जिलाध्यक्ष श्री कुमार लखोटिया, विद्या भारती संस्थान जयपुर के मंत्री शैलेंद्र शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में समिति के पदाधिकारी जयप्रकाश सरावगी, मुरारी लाल महर्षि पुरुषोत्तम मिश्र ,प्रमोद जाजोदिया ,पुरुषोत्तम बील राजकुमार खीरवेवाला, सुरेंद्र कुमार इंदौरिया, राजेन्द्र कुमार शर्मा, अरुण कुमार सैन, गोविंद राम जांगिड़, सुरेश बीबीपुरिया एवं दिलीप नाउवाला थे।

इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राम निवास शर्मा, श्री भगवान् दास तोदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नगेंद्र सिंह नाथावत, पार्षद रामावतार पंवार, हरलाल धायल, अरुण चौधरी, नरोत्तम व्यास, पुरातन छात्र रामप्रकाश वेदी, अंकित काबरा, डॉ. अभिषेक पारीक एवं भंवरलाल बीजला, रतन सिंह बगड़ी, सांवरमल शर्मा, मनोहरलाल पारीक, नरेश शर्मा तथा रोनक कुमार आदि उपस्थित थे । प्रधानाचार्य अशोक कुमार पारीक, मुरारीलाल मिश्र एवं सहायक प्रधानाचार्य सूरजभान सिंह बीजला ने अतिथियों का दुपट्टा एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। जबकि योगेंद्र शर्मा ने पुरातन छात्रा हेमलता सोनी को पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। विद्यालय के विधार्थियों से विट्ठल मिश्र के निर्देशन में हिंदी एकांकी (शबरी की राम भक्ति) हास्य लघु नाटिका (बेरोजगारों का इंटरव्यू) सामूहिक नृत्य, युगल नृत्य, एकल नृत्य, गीत, कविता एवं भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी । समिति के व्यवस्थापक पुरुषोत्तम मिश्र ने स्वागत भाषण दिया | जबकि कार्यक्रम का संचालन अनूप कुमार मिश्र, दिव्या इंदौरिया एवं स्नेहा कंवर ने किया ।

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्त जोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थान | कृष्णा प्रिन्टर्स के लिये सागर कम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित | प्रबन्ध सम्पादक- डॉ. महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी
शेखावाटी सन्मार्ग को online पढ़ने के लिये www.srrividya.com वेब साईट विजिटकरें |